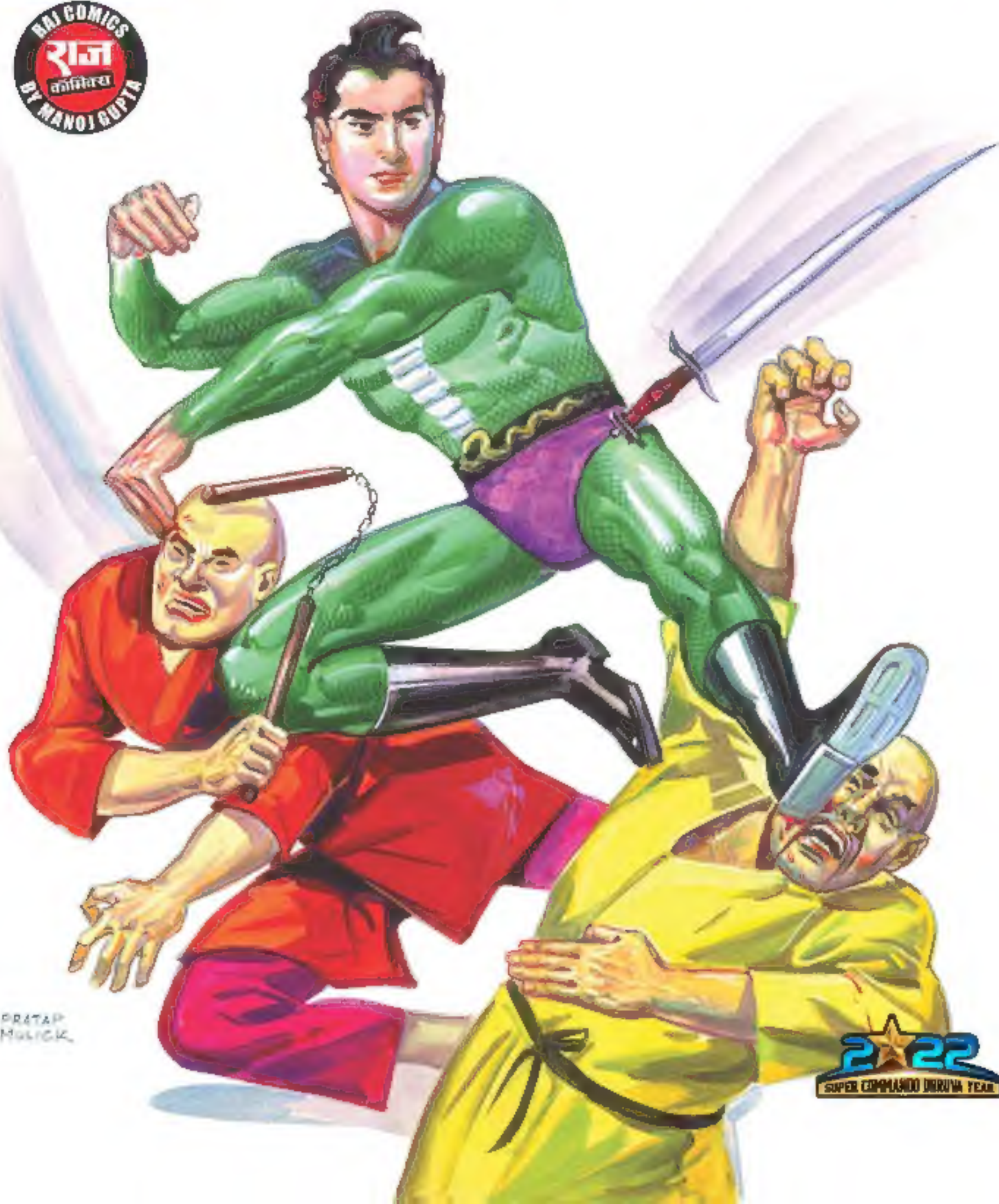




नागराज



A. PRITAP
MULLICK

2★22
SUPER COMMANDO DHIRUVA TEAL

राज कॉमिक्स की
एक दुर्लभ खोज

नागराज

चित्रकथा:
परशुराम शर्मा
चित्रांकन: प्रताप मुलिक
सम्पादक:
मनीष चंद्रगुप्त

आतंकवादी गिरोहों की तबाही का देवता

संसार में फैले उग्रवादी संगठनों के नेताओं को प्रोफेसर नागमणि ने गोपनीय निमंत्रण भेजा। बरसों से नागमणि का सम्पर्क इन लोगों से बना हुआ था। प्रोफेसर द्वारा उन्हें सहस्रपूर्ण सूचनायें मिला करती थीं। लेकिन इस बार कोई विशेष बात थी। प्रोफेसर ने उन्हें सूचना दी थी कि वह आतंकवादी गिरोहों के लिये सबसे अवतलनाक हथियार बनाने में कामयाब हो गया है और अब अपने इस हथियार की किराये पर चलाना चाहता है। उसने इस हथियार का नाम रखा था—“नागराज”।

बंगाल की एक आलीशान इमारत में विभिन्न देशों से आये आतंकवादी नेता एकत्रित हो रहे थे।





उसी के लिये आप सबको बुलाया है। आप उसकी उपयोगिता का अनुमान स्वयं लगा सकते हैं। वह कंप्यूटर नहीं है, परन्तु इंसान होते हुये भी कंप्यूटर से तेज कार्य की क्षमता रखता है।



आश्चर्यजनक! एक इंसान कंप्यूटर की भाँति कार्य करे।

हो सकता है यह जप हो।

नागराज अभी सामने के मंच पर प्रकट होगा, जहाँ आप उसकी क्षमताओं और ताकत का प्रदर्शन देखेंगे।



नागराज मंच पर प्रकट हो गया।

सभी मेहमानों को नागराज का अभिवादन।



आप लोग दुनिया में बतबरताक आतंकवादी संगठनों के सदस्य हैं। आप सभी किसी न किसी फल में महाबत हासिल किये हुये हैं। आप में से चाब ऐसे व्यक्ति मंच पर आ जायें, जिनका निशाना अचूक हो।



हॉल में चाब व्यक्ति उठकर मंच पर आ गये।

सबसे पहले आप लोग अपना परिचय दें।







चारों को नागराज के जहरीले
साँपों ने डब्स लिया था। नागराज
उनका जहर खींच कर उन्हें
जीवित करवाने में सक्षम था।



चारों वापिस अपनी सीटों पर बैठ गये।

अब मैं किसी फाइटर को तलब करता हूँ, जो जिस विद्या का फाइटर होगा, नागराज उसी फल का प्रदर्शन करेगा।



मैं मार्शल आर्ट का महारथी हूँ।

यस, आई एम ए कुंगफू मैज।



मार्शल आर्ट के दोनों योद्धा मंच पर आ गए।

और कोई है इस आर्ट का महारथी ?

नागराज तुम दोनों का अकेला प्रतिद्वंदी होगा। इसे खत्म कर दो।



और फिर—

रुम्बा



ठाक



फुक्स

फुक्स



मैं इसके सामने पहले दर्जे के बालक की तरह लड़ा।

यह ब्लेक हैड है।





इसके अलावा भी नागराज की बहुत-सी विशेषताएँ हैं जो समय आने पर आपको मालूम हो जायेंगी। जोलियों से छलनी होते पब नागराज बबुद ही उन्हें निकालकर अपने मार्ग पर चलता बनेगा और इसके शरीर से एक बूँद भी बबूज नहीं टपकेगा।



इसके शरीर के रक्ताणु आम इंसानों की तरह नहीं हैं। उनकी प्रक्रिया बड़ी तेज और सुबक्षित है। नागराज के जिक्क पर जक्क होते ही उनका काम मशीनी अंदाज में शुरू होता है। पहले ये रक्ताणु अंदर पहुँच चुके हानि-कारक पदार्थों को बाहर निकाल देते हैं और फिर...

नागराज

किसी माहिर सर्जन की तरह जब्तों को बंद कर देते हैं। यह क्रिया बड़ी तेजी से होती है और इस बीच इनका दूसरा दल घाव से वक्तश्राव बोके रहता है...



...और यह हरियाव दुनिया के आतंकवादी गिरोहों के लिये तैयार किया गया है। आने वाले पाँच सालों में इसका कोर्स स्वतः पूरा हो जायेगा...



और पाँच साल बाद नागराज दीवारों से आर-पार होने का कमाल हासिल कर लेगा। किसी दूर की वस्तु की इच्छा-शक्ति से स्पर्श किये बिना उठा लेगा।



मुझे इसकी आभास में लौड़फोड़ के लिये तुरन्त जरूरत है।



अब नागराज की बोली लगेगी। सबसे ऊँची बोली को नागराज को भाड़े पर लेने का रेट तय समझा जायेगा और ऊँची बोली वाले को नागराज के प्रयोग के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।

बोली शुरू की जाये।

और मैं इसी जगह बैठे-बैठे दुनिया का सबसे धनवान और ताकतवर इंसान बन जाऊँगा।



पाँच हज़ार डालर!

दस हज़ार।



पचास हजार
डालर!

एक लाख
डालर!

अन्तिम बोली एक लाख
डालर। तो नागराज के एक
मिशन की कीमत एक
लाख डालर निश्चित
की जाती
है।...

...मि. बुलडाग की बोली सबसे
ऊँची है, इसलिए इन्हें नागराज
का प्रयोग करने का अधिकार
दिया जाता है।

...ओर मिस्टर बुलडाग के सम्मान
में हम आज शाम एक पार्टी
देगे।

शाम की पार्टी में-

मिस्टर बुलडाग! बधाई हो। क्या आपने हिन्दुस्तान में तोड़फोड़ के लिए कोई बहुत बड़ा ठेका ले लिया है?

यह तो सौदा है भई। मैं उससे एक कबोड़ का अका भी डलवा सकता हूँ।

फिर तो तुम्हारी विगाह में जरूर कोई बहुत बड़ा बजाना है।

अपना-अपना कारोबार है।



हमारी शुभकामनायें आपके साथ हैं। हम अगले माह की बुकिंग कर लेंगे।

आतंकवादी गिरोहों के सरदारों का यह सम्मेलन समाप्त हो गया और बुलडाग नागराज की लेकर चल पड़ा।



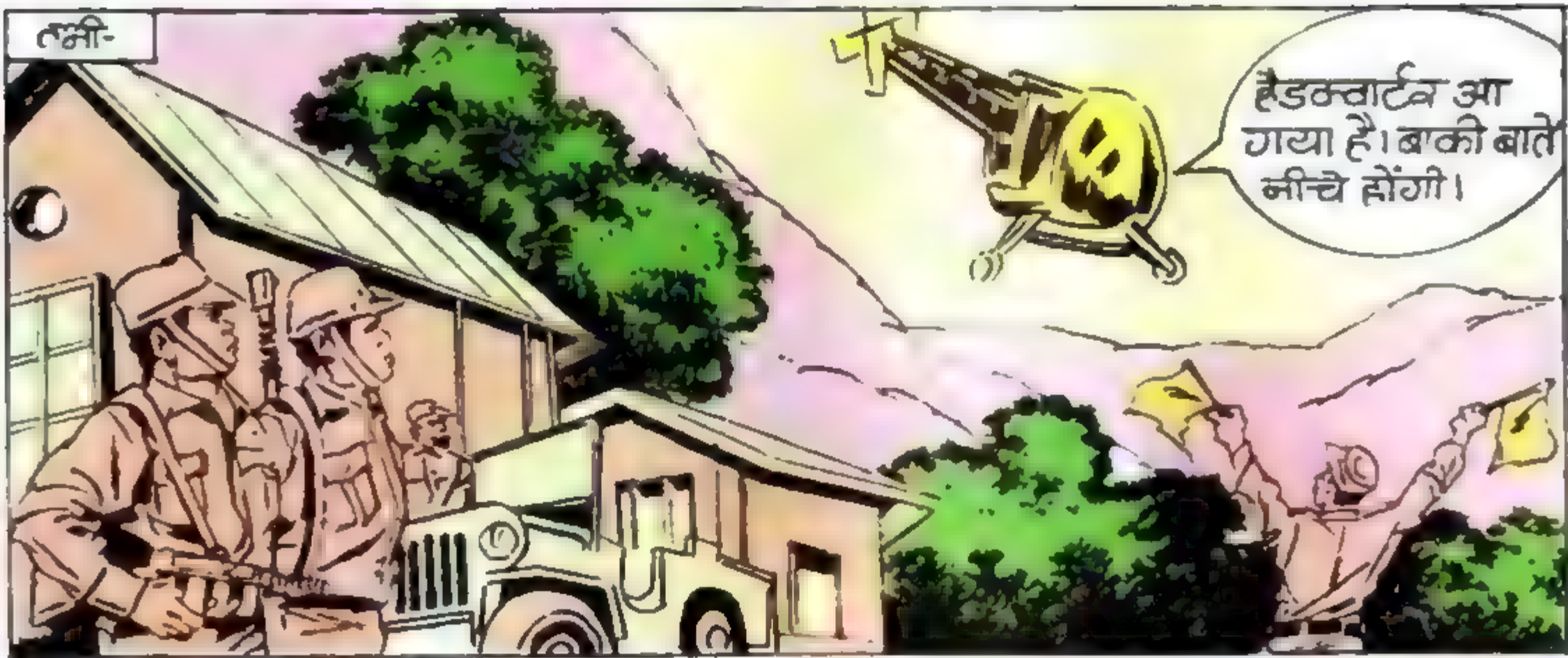
नागराज तुम्हें कबीले वालों के मन्दिर से एक प्राचीन मूर्ति चोरी कर रही है।

वह मूर्ति बहुत प्राचीन है। सभी कबीले वाले उसकी पूजा करते हैं और वह एक कबोड़ रुपये मूल्य की है।

मूर्ति तो कोई भी चोरी कर सकता है।



लक्ष्मी-



नागबाज! देवी की मूर्ति चोरी करना इतना आसान होता तो कभी की वह मूर्ति चोरी कर ली जाती।



कबीले के मन्दिर में रखी वह मूर्ति गौराणिक है और कबीले के लोग उस मूर्ति के लिए प्राणों का भी बलिदान कर देते हैं।



लेकिन फिर भी देवी की मूर्ति चोरी करना इतना असंभव नहीं है, क्योंकि उसकी रक्षा मन्दिर में रहने वाले सैकड़ों नाग करते हैं।



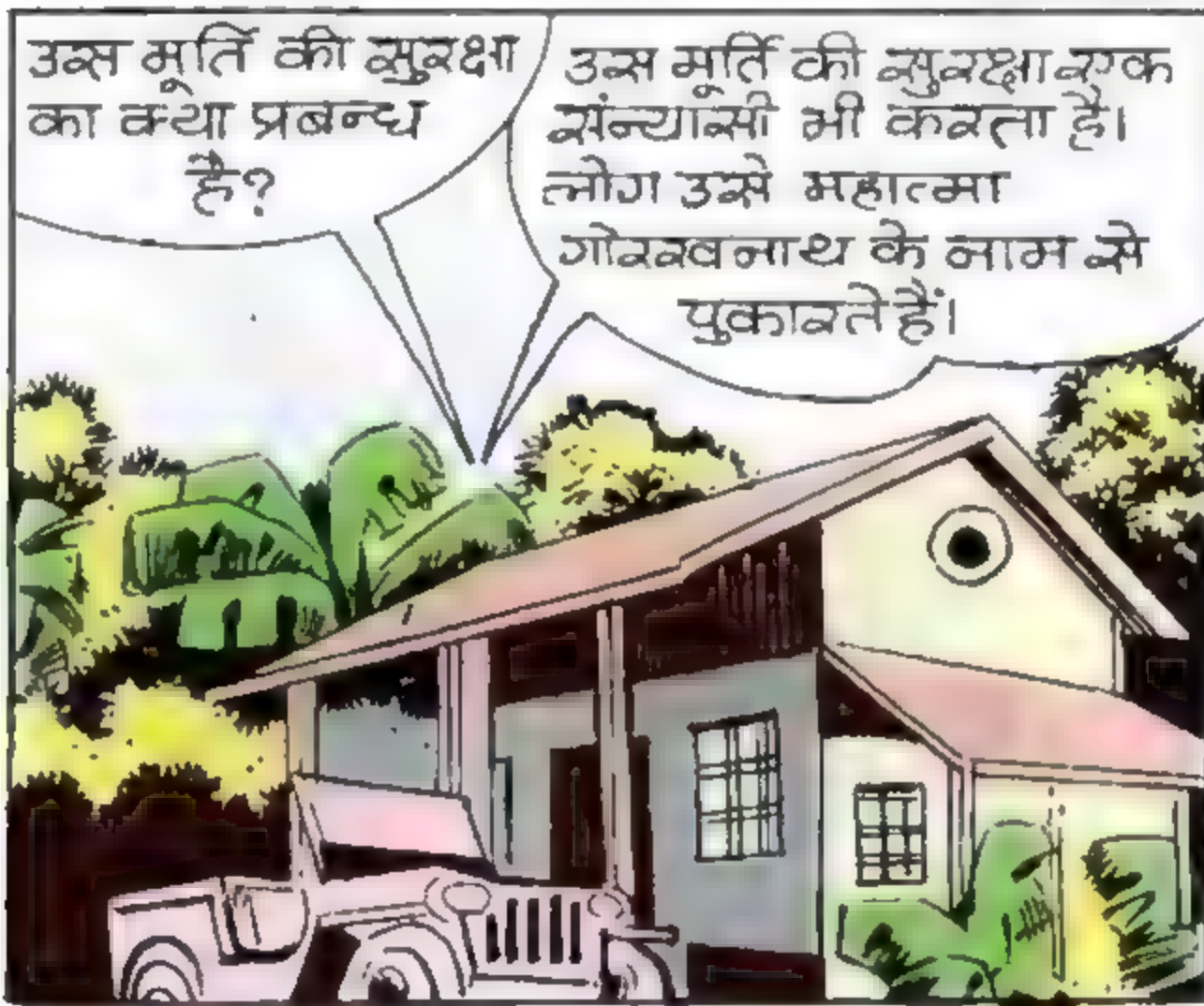
नाग जैसे तो किसी को कुछ नहीं कहते, लेकिन जब कोई मन्दिर में बुनी वीरल से जाता है तो उसे डर लेते हैं।

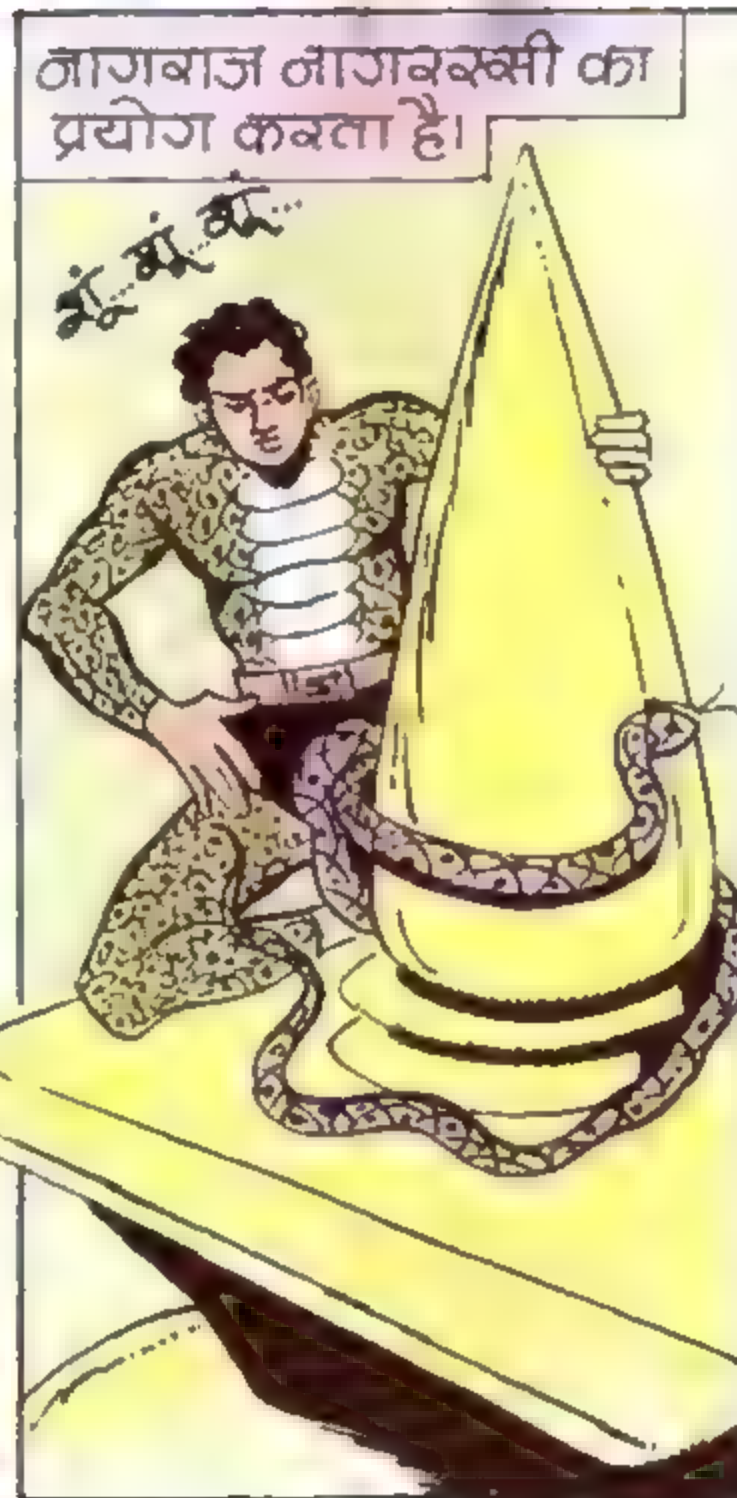
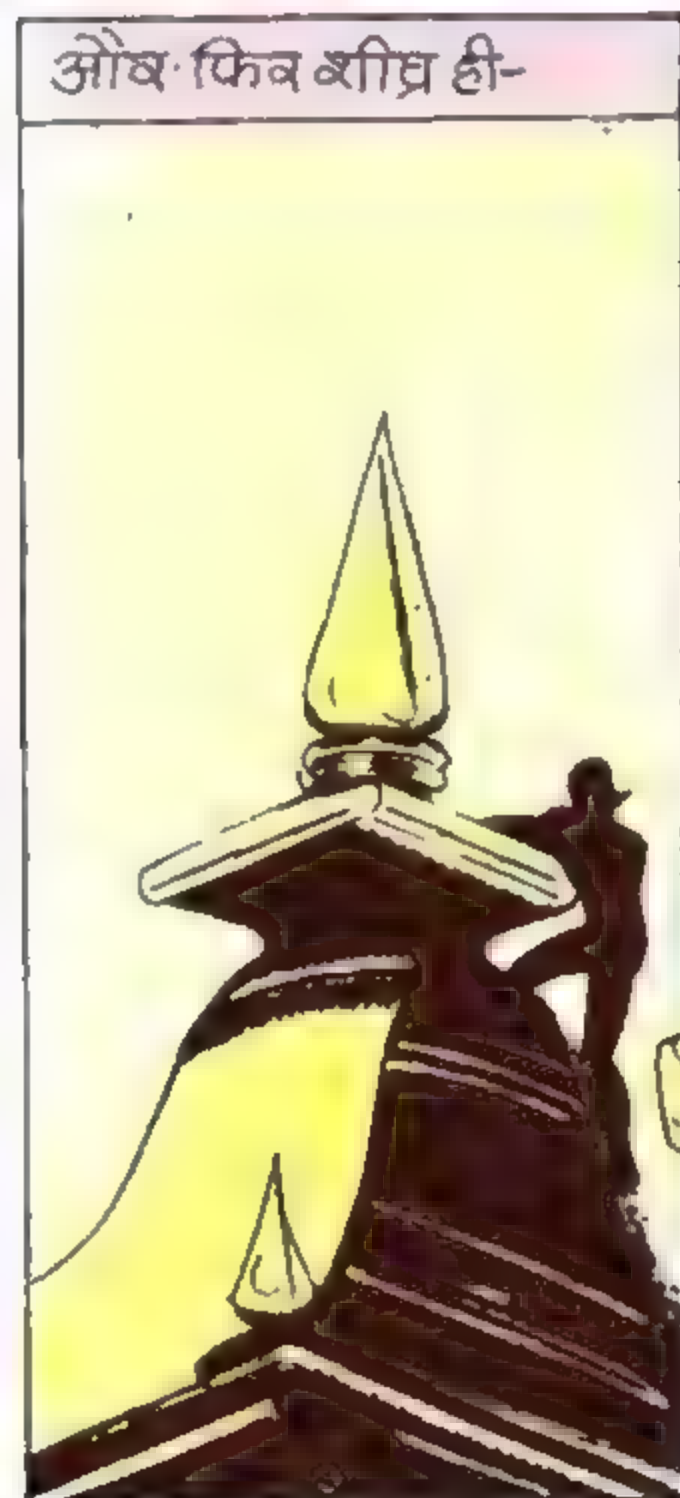


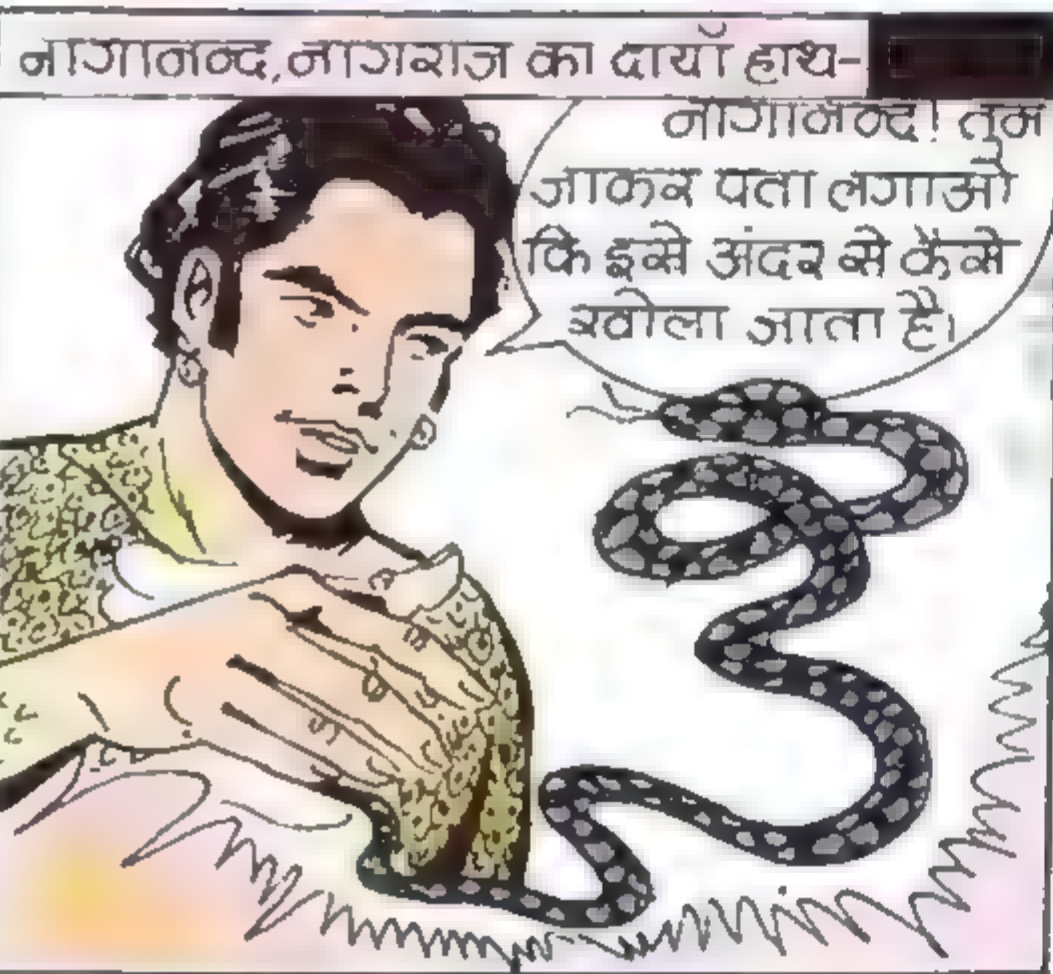
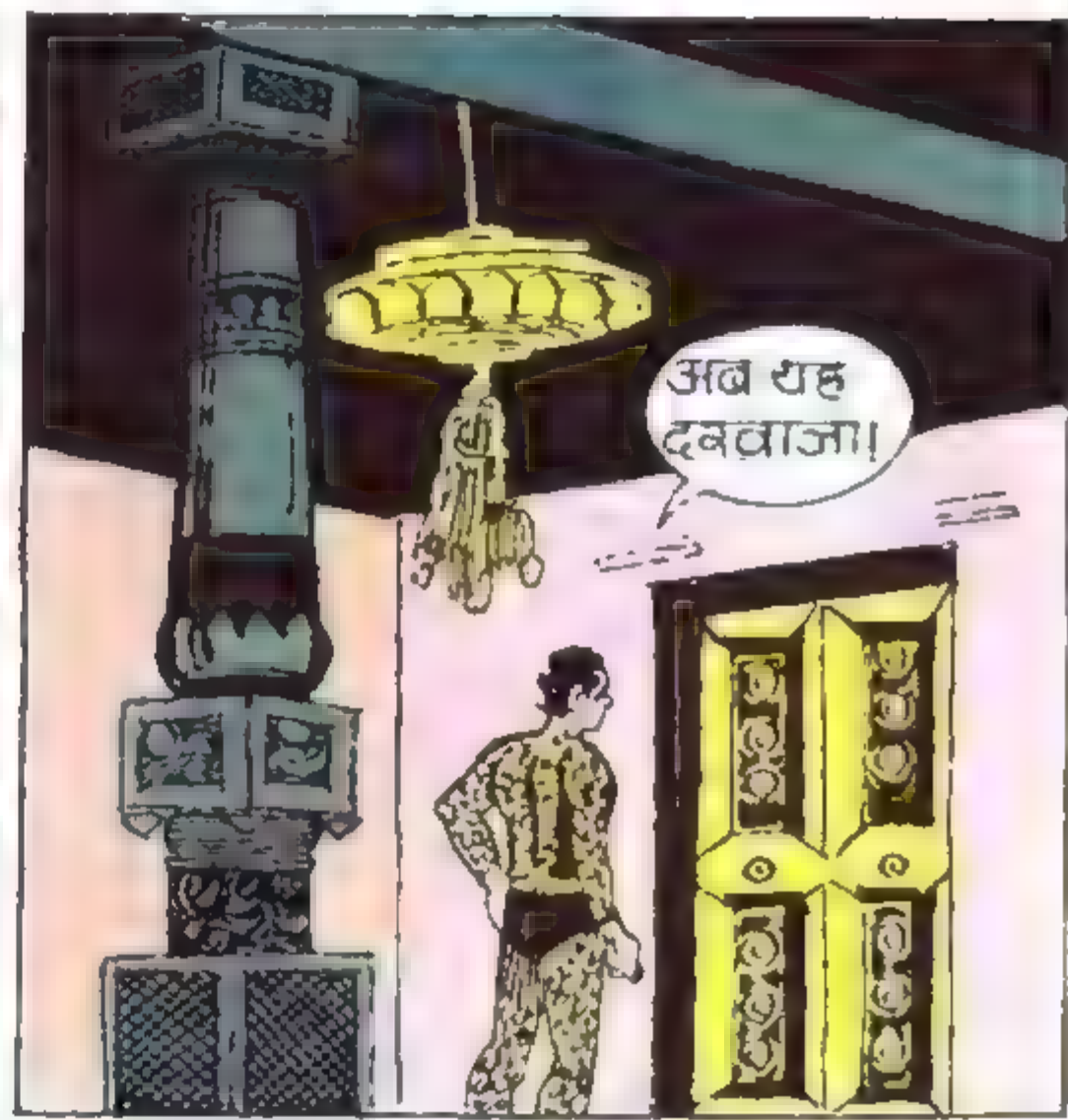
हमारे पांच आदमी मारे जा चुके हैं।

मैं मूर्ति चुरा लाऊंगा।









नागराज के शरीर पर डमरु के
जाला साँप वाली बलकब पिघल
जाता था।

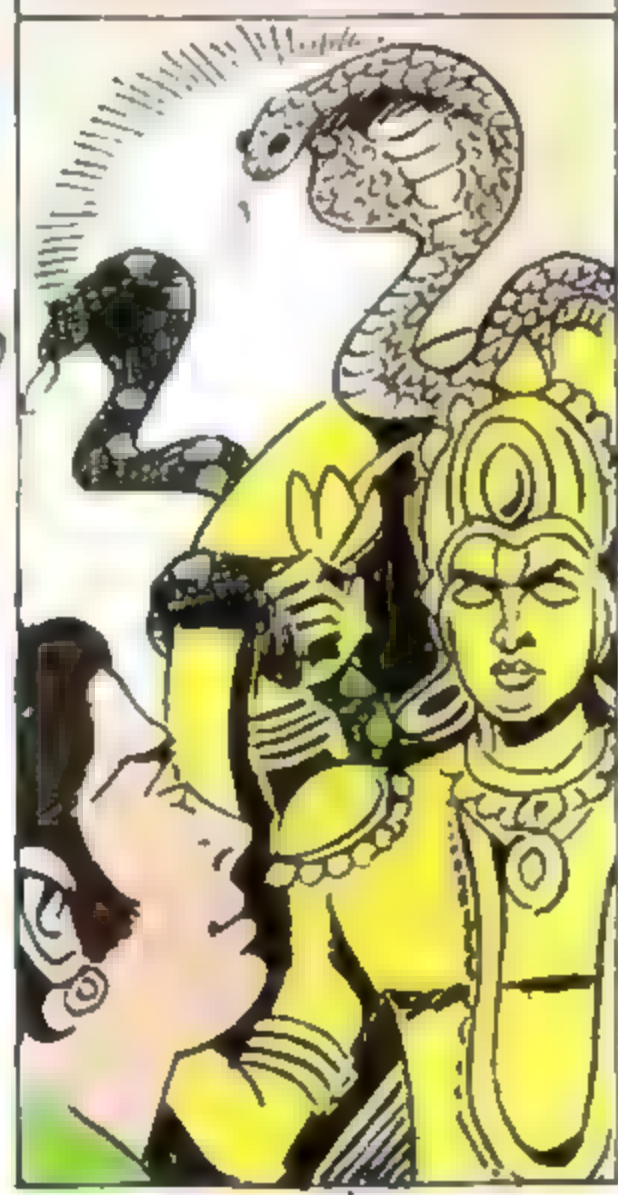
देख लो नाग-
राज पर जहर उग-
लने का अंजाम।



बचे हुए नाग, नागराज की
जहरीली फुकारों से धावापायी
हो गए।



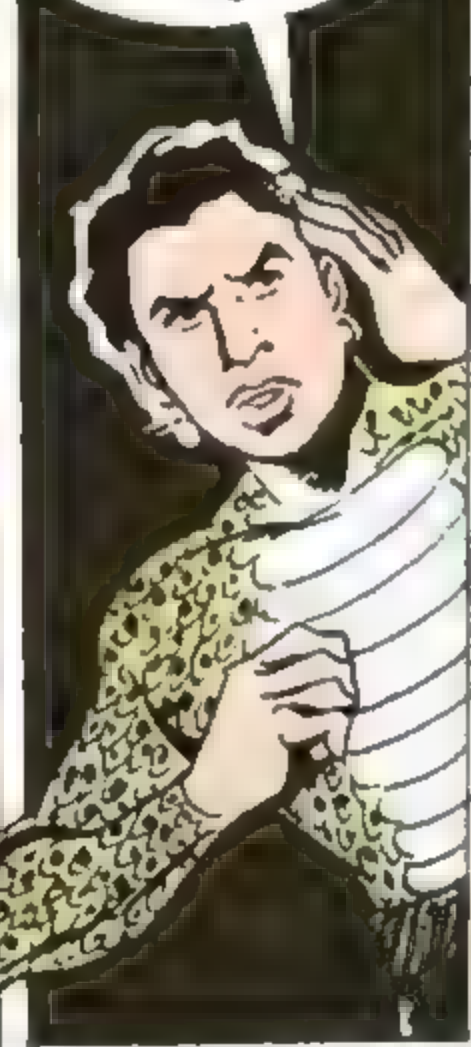
और फिर नागराज
मूर्ति की तरफ लपका।

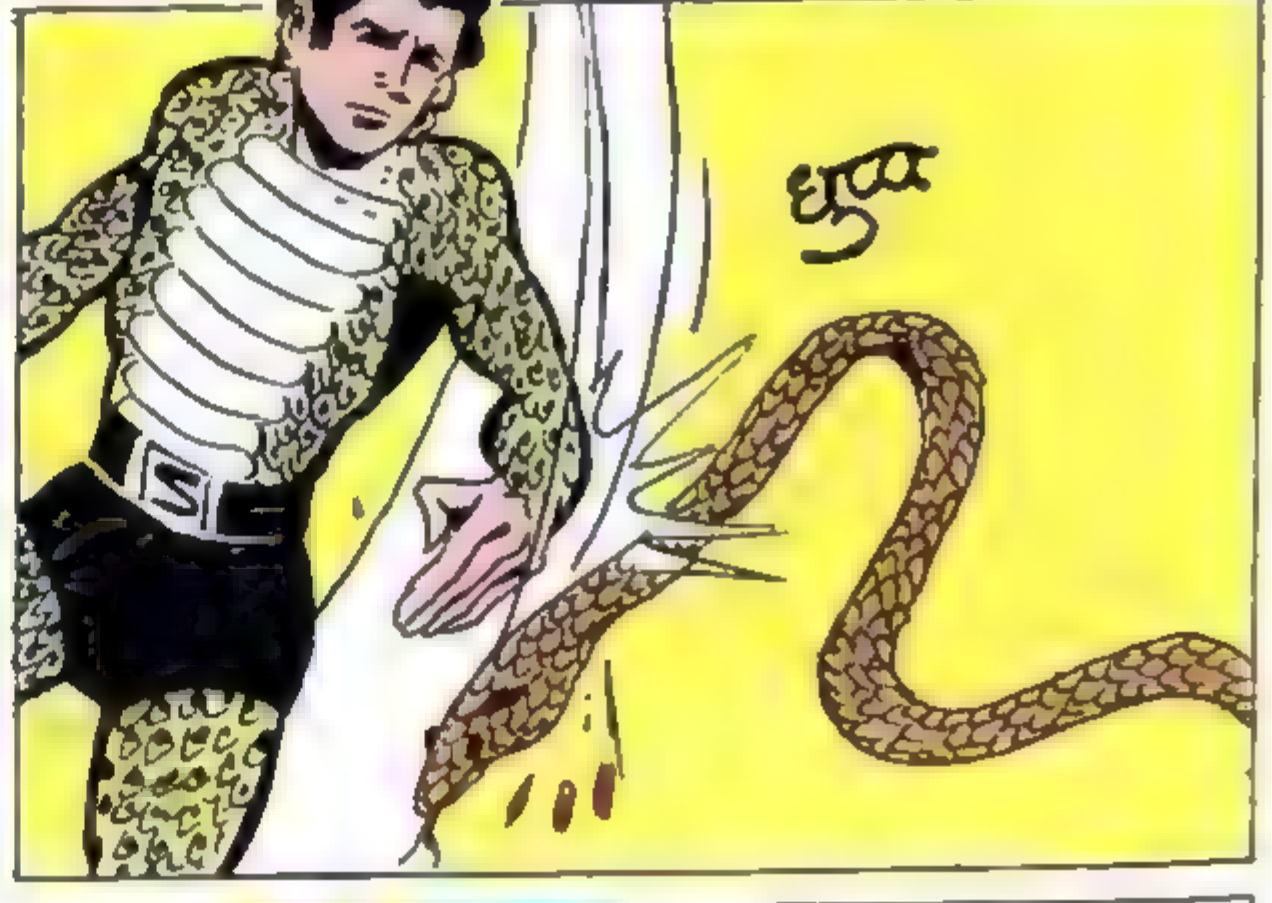
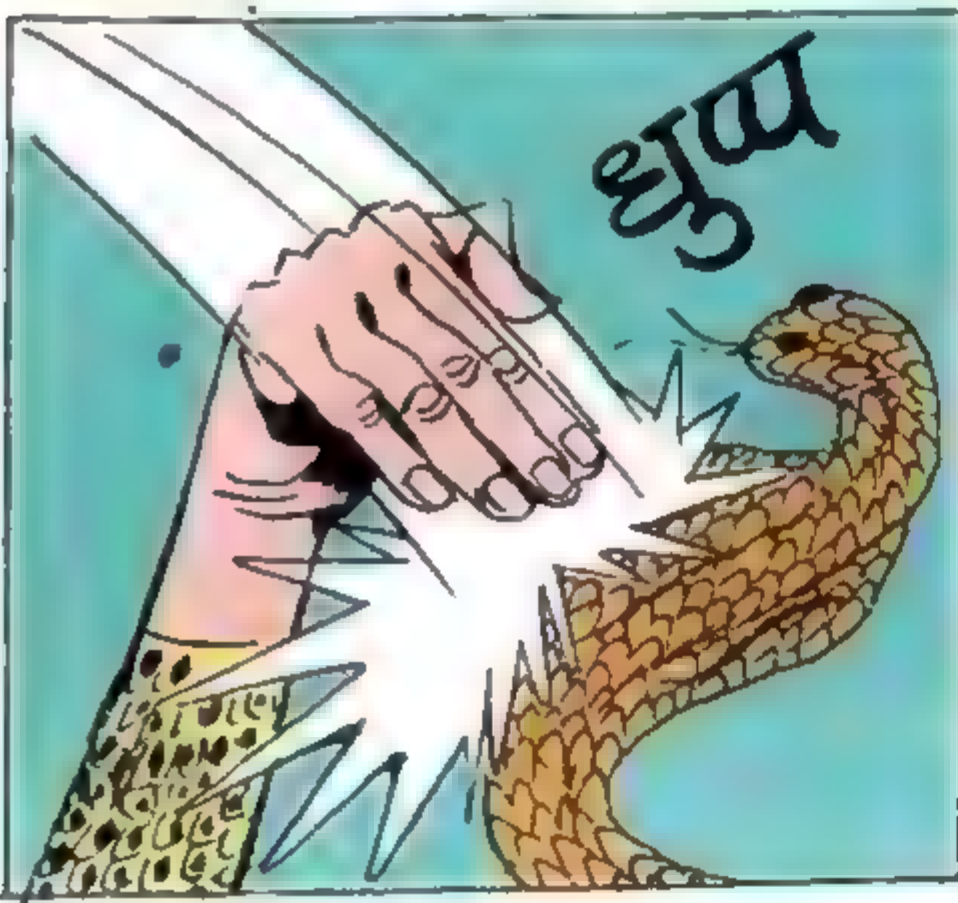


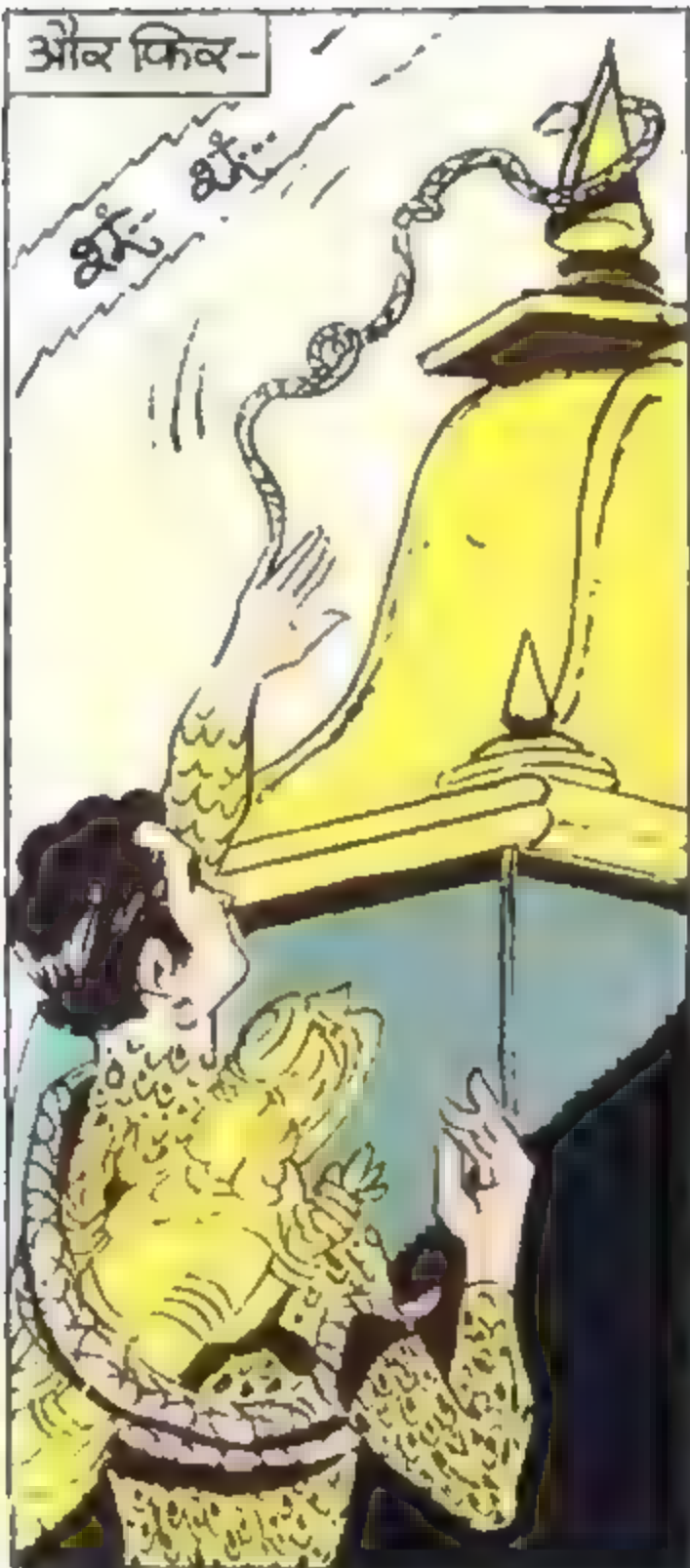
लेकिन अभी-

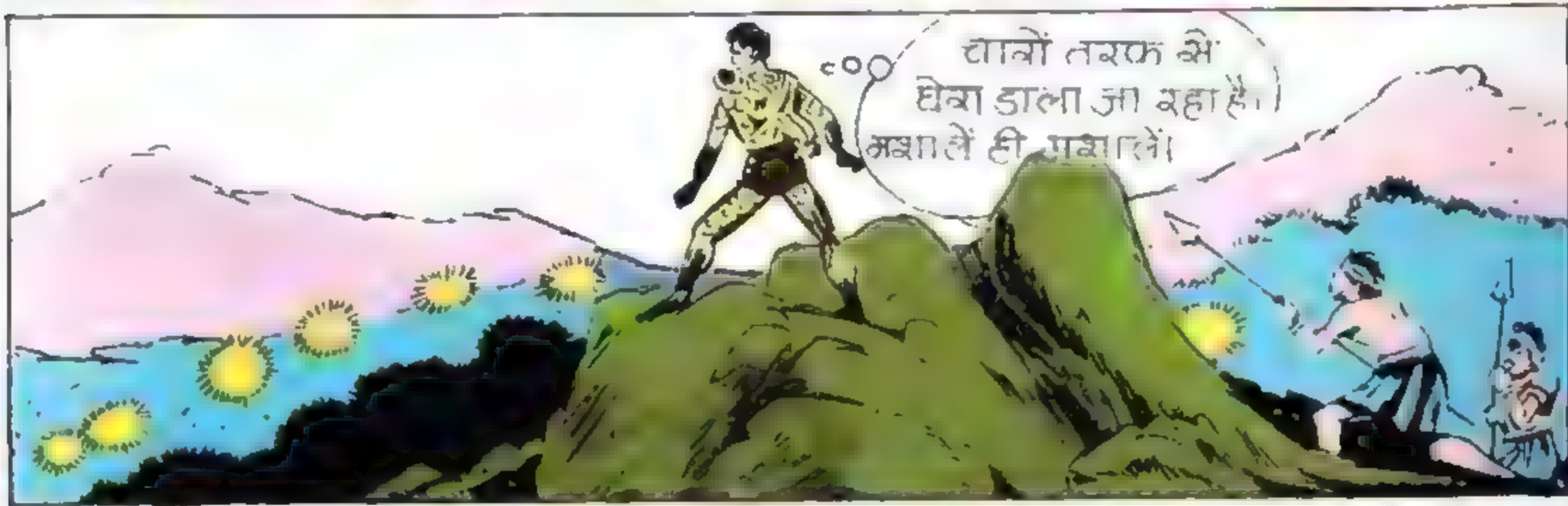


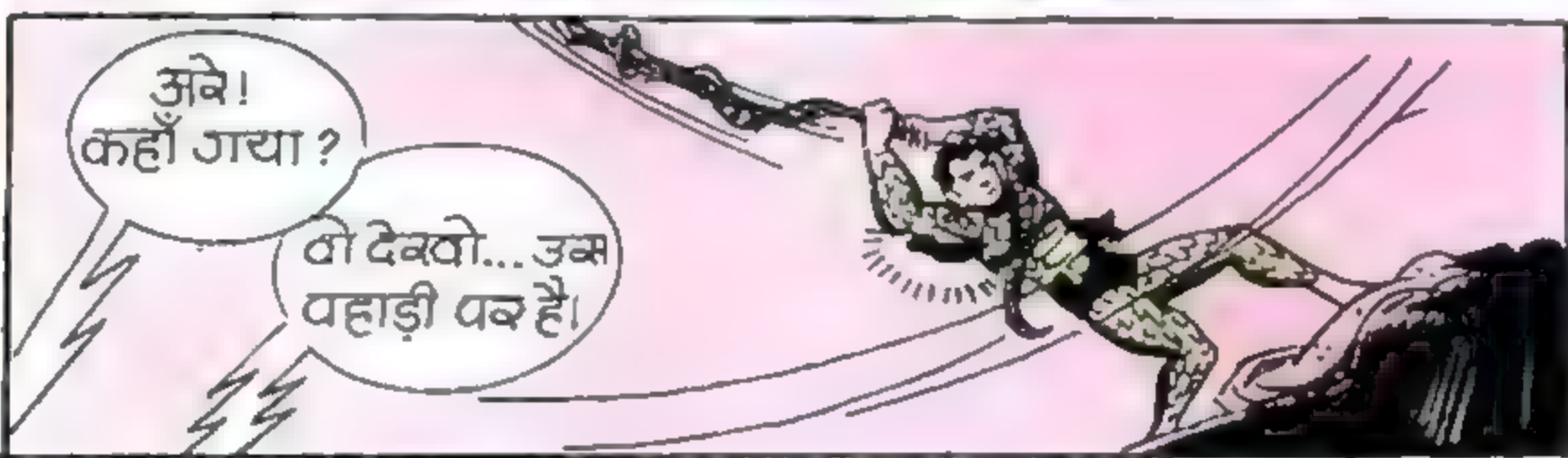
यह मुकाबला
जोषकर रहेगा। मेरी
जहरीली फुकारों
का इस पर प्रभाव
नहीं हुआ। इसका
मतलब यह किसी
विशेष दर्जे का
नाग है।









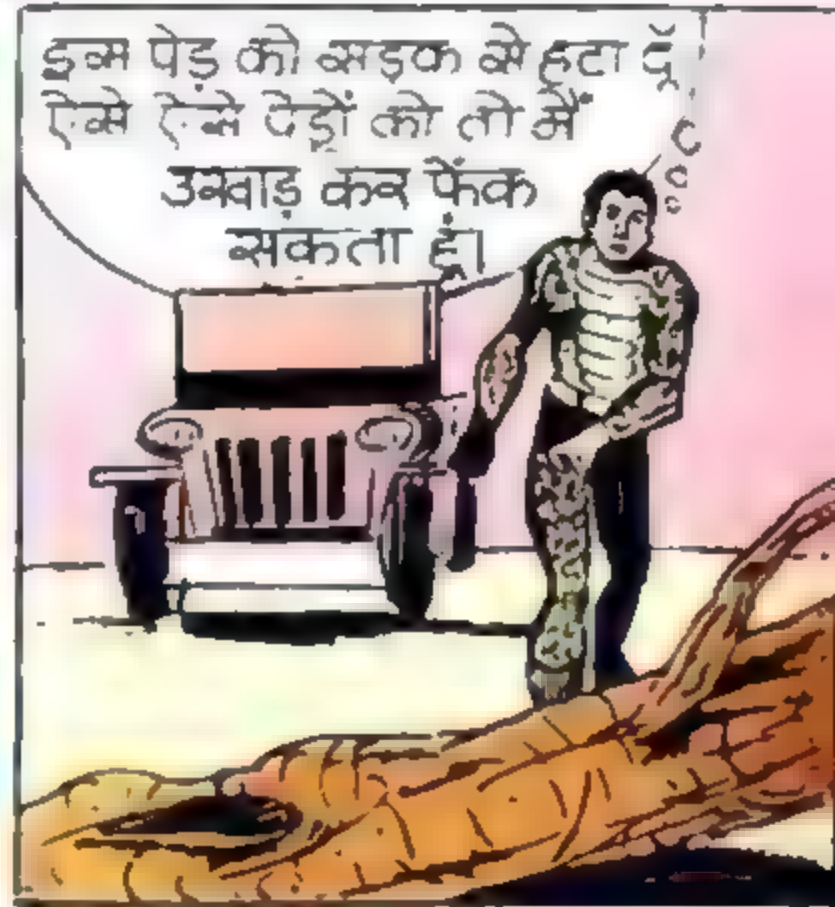


कुछ आगे बढ़ने पर -

ओह! सड़क पर पेड़
गिरा पड़ा है गाड़ी आगे
नहीं निकल सकती।



इस पेड़ को सड़क से हटा दें
ऐसे ऐसे पेड़ों को तो मैं
उखाड़ कर फेंक
सकता हूँ।



पूरी ताकत लगाने के बाद
भी पेड़ टूटने से ठीक नहीं
हो रहा है।

कोशिश करो,
शायद तुम इसे
हटाने में सफल
ही जाओ।



जब तक इस पेड़ की
शक्ति पर मेरा पाँव
जमा हुआ है, तुम इसे
उठा नहीं सकते।



यह तो
कोई संन्यासी
है, सफेद
बालों वाला!

यह पेड़ तुमने
गिराया है?

हाँ, मैंने गिराया है
और मैं ही इसे हटा
सकता हूँ।

तुमने ऐसा
क्यों किया?

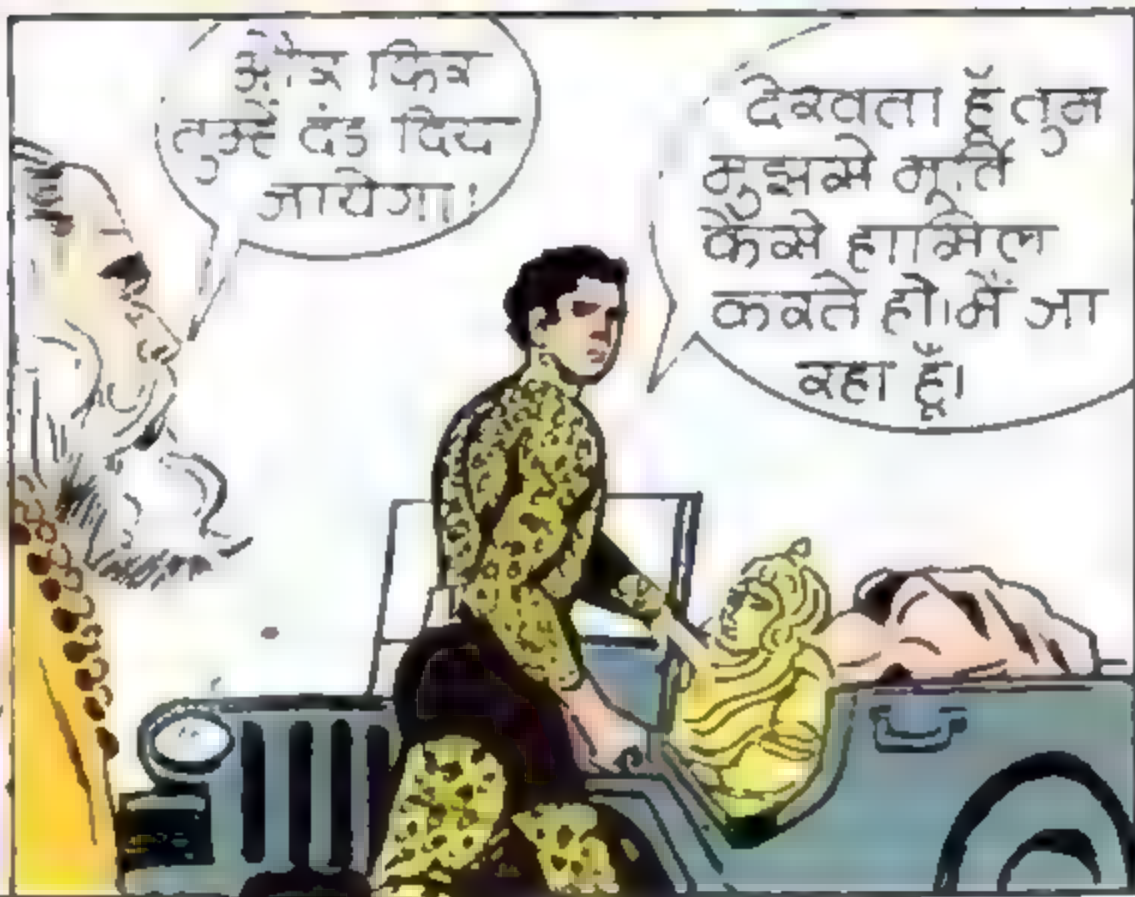
मुझे वह मूर्ति
चाहिये।



ओह! तो यह बात है।
मेरा वास्ता बोकले
का अर्थ जानते हो

तुम जैसे इंसान का
कोई वास्ता नहीं
करता। तुम भला
हो इंसान हो।

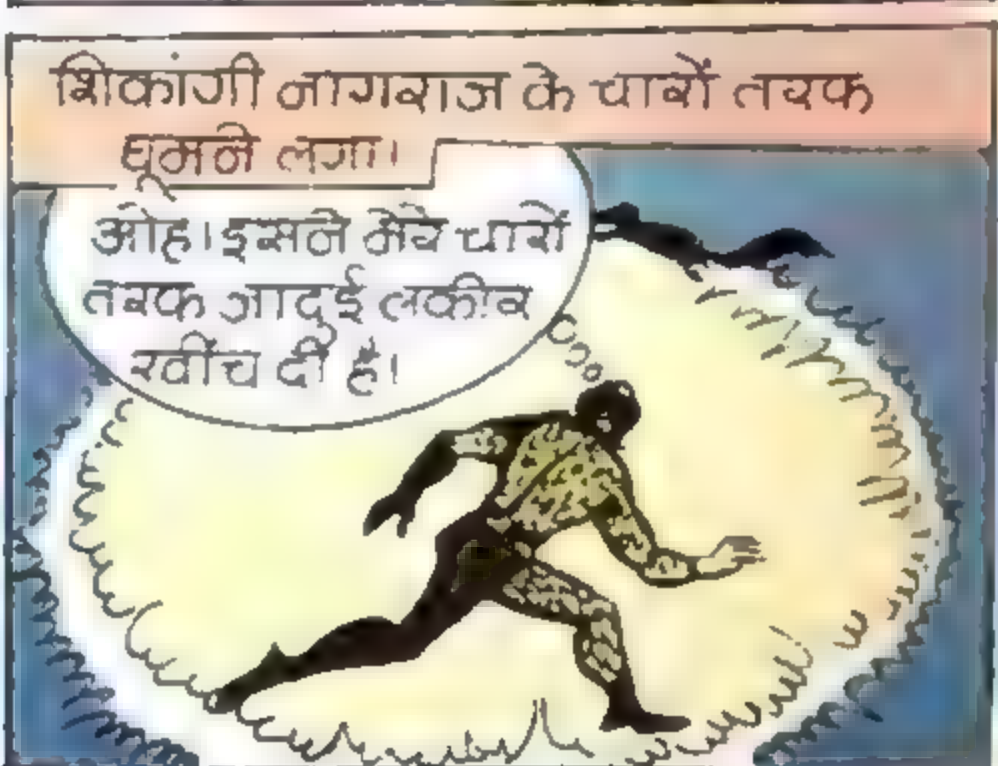
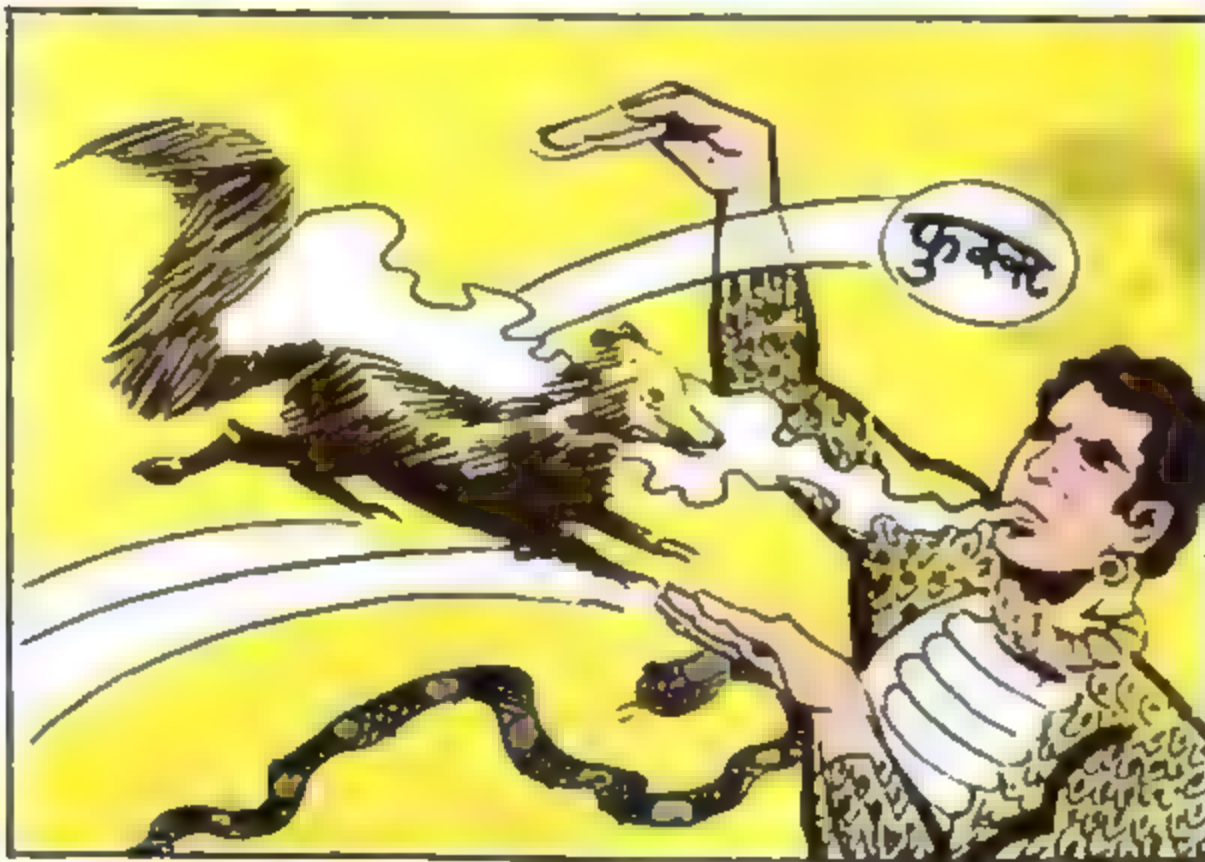




मेरे आगे जाग वापिस पलट रहे हैं।
उसके कंधे पर काला जेवला बैठा
है। काला जेवला शिकांगी ।



शिकांगी। वह
बकसी तोड़कर फराक
होना चाहता है।





महर्षि जीबबवनाथ ने वशीकरण विद्या द्वारा नागबाज के दिमागी हालात जानने शुरू कर दिये।

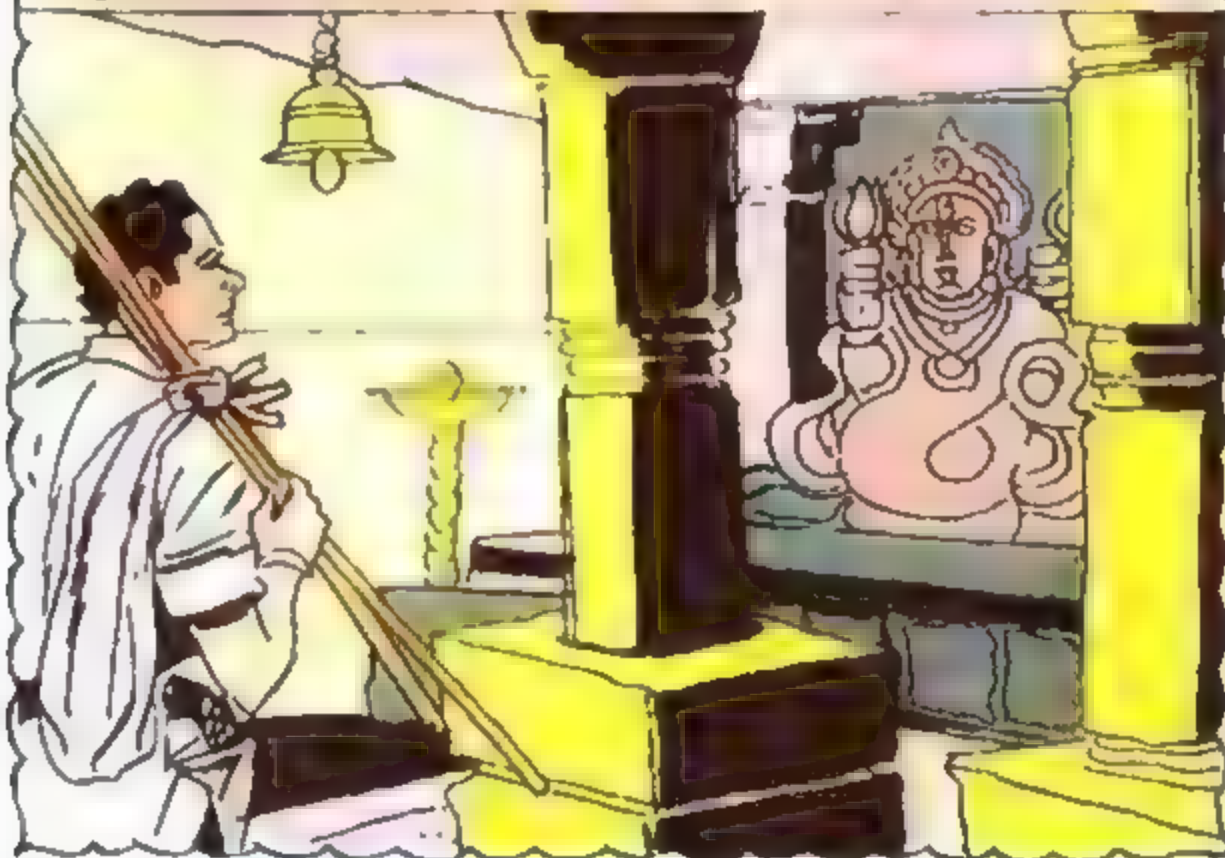
नागबाज। तुम नागमणि जैसे भौतान के गुलाम हो। उसने तुम्हें बनाया है। इसका मतलब तुम्हारी अपनी कोई स्वतंत्र हक्ती नहीं।



नागमणि इच्छाधारी साँप पकड़ना चाहता था। वह साँपों का विषोषज्ञ था और साँप पकड़ने के लिये जंगलों में भ्रमण करता था। एक दिन वह जंगल में पहुँचा तो-



नागराज की किसी बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। वह मन्दिर में दौरेल हो गया।



अरे, बच्चा! ओह, कितना प्यारा बच्चा है...



...मैं इसे पालूँगा।



...एक नाग फुँकावता हुआ उसके मार्ग में आ खड़ा हुआ।

यह तो इच्छाधारी नाग है। मेरी आँखें धोखा नहीं बता सकती।



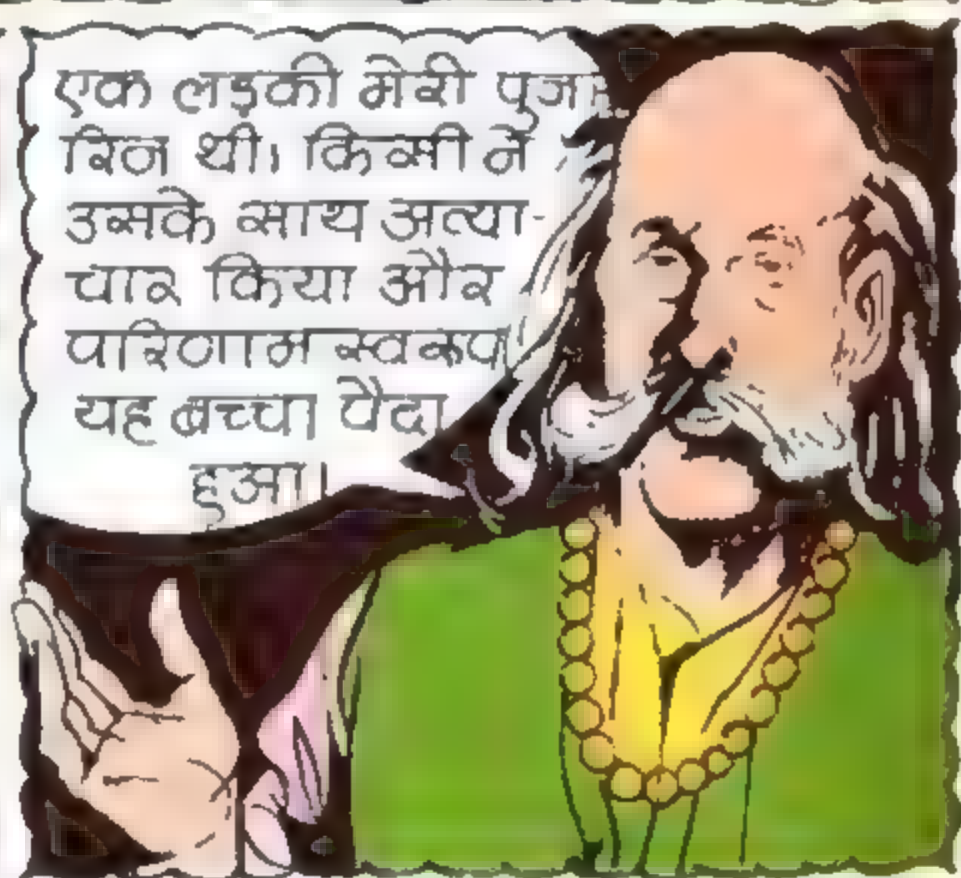
फिर जैसे ही नागराज ने बच्चे को गोद में लिया...

और तभी इच्छाधारी ने इंसानी रूप धर लिया।

मेरे दर्शन बहुत मुश्किल से प्राप्त होते हैं। ये इंसान तू जो भी है, जो ब मे मेरी बात सुन।



एक लड़की मेरी पूजा बिल थी। किसी ने उसके साथ अत्याचार किया और परिणामस्वरूप यह बच्चा पैदा हुआ।





मरने से पहले उसने
इस बच्चे को मेरी शरण
में छोड़ दिया।
तब से यह बच्चा
इसी जगह है।

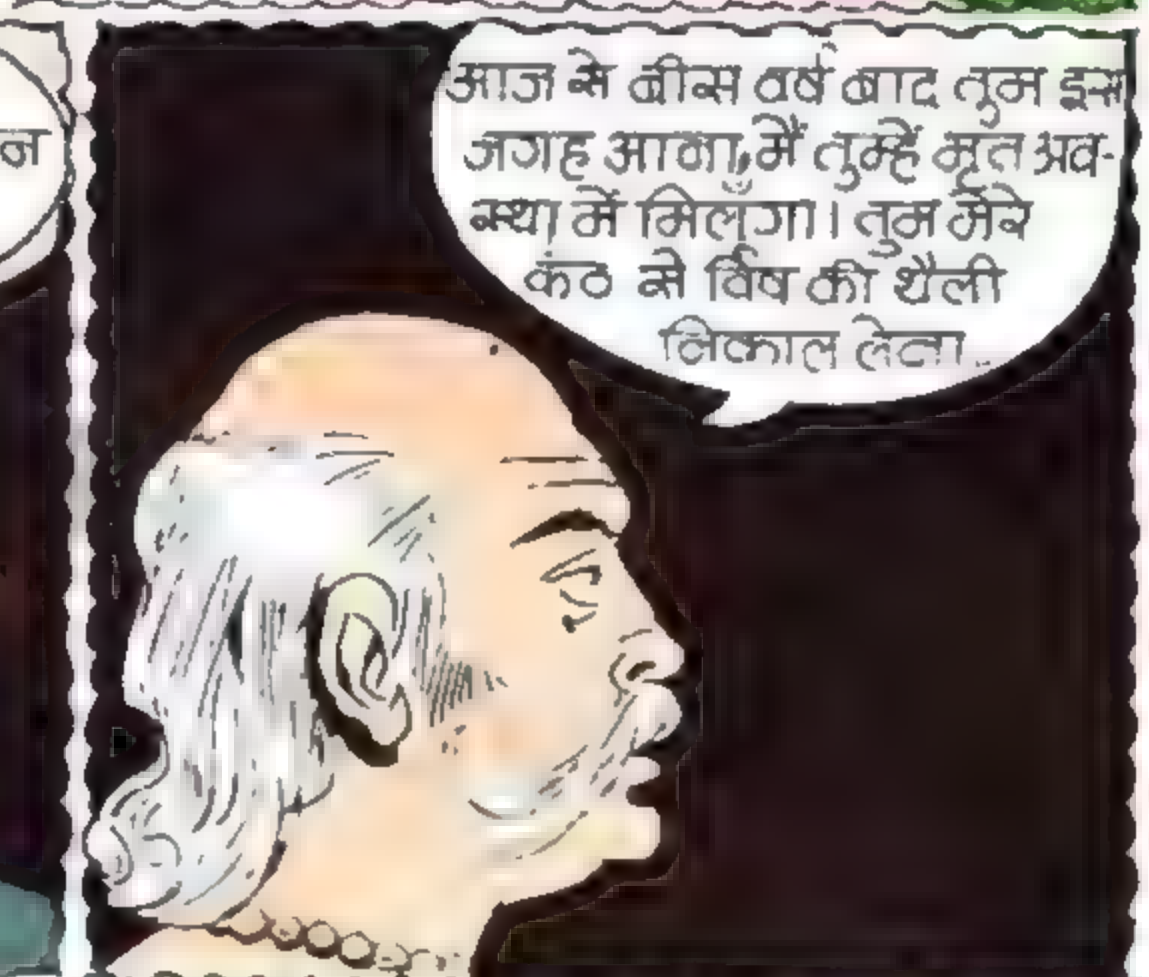


मुझे इस बच्चे के अरक्षक की जरूरत
थी, जो इसे पाल पोस कर जवान
करे और इसे अपनी माँ के
साथ हुये अठ्यारह का बदला
लेने के काबिल बना सके।



मुझ पर विश्वास
करो। मैं इसे तैयार
ही बना दूँगा, जैसा
तुम चाहते हो।

मैं इस बच्चे को
पराक्रमी व बलवान
बनाना चाहता
हूँ।



आज से बीस वर्ष बाद तुम इस
जगह आना, मैं तुम्हें मृत अव-
स्था में मिलूँगा। तुम मेरे
कंठ से विष की थैली
निकाल लेना।



... और मेरे शरीर का
अस्मरणाकर इस बच्चे को
बिचला देना। इसमें एक दिन
मेरे जैसी योग्यताएँ
स्वतः पैदा हो जायेंगी।



फिर वह आँव के अंदर से पारेवातेंत हो गया।

परन्तु याद रहे, मेरी अस्मरणा
कर बिचलाजे से पहले इस
बच्चे को एक हजार जहरीले आँवों से
डूँबवाला होगा। हल्के जहर से
तुम इस सब प्रयोग करोगे।

और सबसे आत में तुम मेरे कंठ से निकली जह्व की धैली से इसके शरीर में मालिश करोगे थोड़ा सा जह्व इसकी जिह्वा से स्पर्श करामोगे।



और तब यह नागराज बन जायेगा। साँपों की कोई भी शक्ति इसे पराजित न कर सकेगी।

ठीक है। मैं ऐसा ही करूँगा।



और नागराजि ने उस बच्चे पर प्रयोग शुरू कर दिया।



स्नेक मैज! यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा आविष्कार होगा।

जिस तबह बाजा विश-कन्या बनाते थे, मैं विश बन जाऊँगा। जिसके एक हजार साँप गुलाम होंगे।



नागराजि ने उस पर अपने जहरीले साँपों का प्रयोग प्रारम्भ कर दिया।

इसमें गजब की क्षमता पैदा होती जा रही है। धीरे धीरे इसकी क्षमता बढ़ती जायेगी।



नागराजि के घर में ही नागराज बड़ा हुआ।

अब वह वक्त आ गया है, जब इच्छाधारी की भक्ति इसे खिलाई जाये।



ओह, अभूतपूर्व! इसके जिस्म की रंगत बदलने लगी।



कुछ दिन बाद-

यह एक खोफनाक नाग की तरह आज आ रहा है। जिसका चेहरा इंसानों जैसा है।



मैं सफल हो गया। नाग-राज पर अब मेरा अन्तिम प्रयोग बाकी है।



नागराज के जिस्म पर इच्छाधारी साँप के जहर की मालिश की गयी।



लेकिन मुझे इसके क्रेन पर कंट्रोल रखना होगा। अब कुछ वर्षों बाद इसमें इच्छाधारी साँप के सख गुठ आ जायेंगे।

नागमणि ने नागराज के मस्तिष्क का अप्रे-शन करके उसमें एक कैल्सुल फिक्स कर दिया।

अब इसकी अपनी कोई इच्छा नहीं होगी। जो मैं सोचूंगा वही इसकी सोच होगी।



नागराज! तुम मेरे गुलाम हो। तुम एक ऐसी मशीन हो, जो मेरे लिये काम करेगी।

ही आका! मैं आपका गुलाम हूँ।







क्या तुम आतंकवादी
गिरोहों के लिए अब भी काम
करोगे? क्या तुम अब भी नाग
मणि के गुलाम हो?

मैं किसी का गुलाम
नहीं हूँ। वह साबे दूखे मुझे
याद आ रहे हैं। मुझे कितने अयं-
कब अपराध करवाये जाने वाले थे।

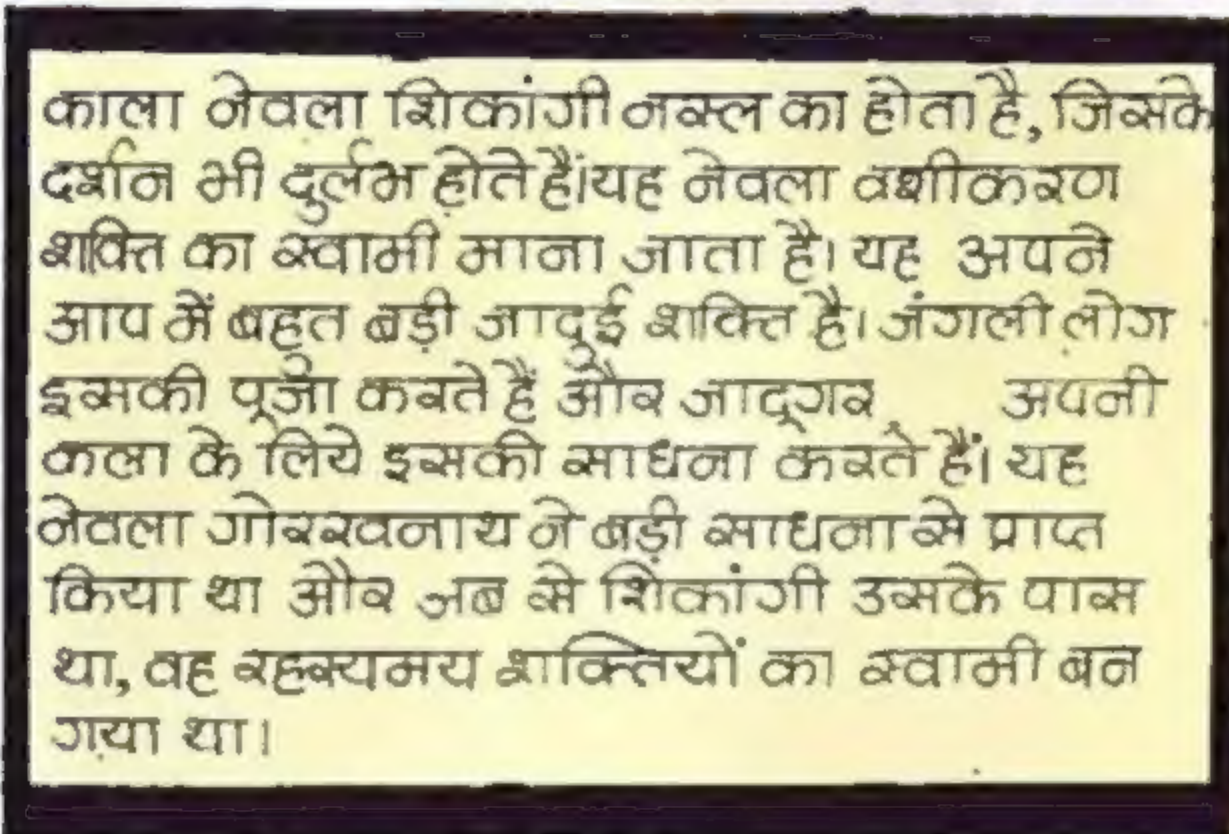


लेकिन असली जंग अब से शुरू होगी।
मैं दुनिया से आतंकवादी गिरोहों का
सफाया कर दूंगा। मैं इन गिरोहों के
सबदारी की पहचानता हूँ। लोग
अब अधिक दिनों तक धैर्यता
पर नहीं रह सकेंगे।

इसे सजा
मिल गई।
यह सही
रास्ते पर आ
गया।



आपके चमत्कारी
शिकांगी नेवले ने मुझे धैर्य
लिया था, अगर यह देवता तुम
नेवला आपके पास न होता
तो मैं आपके काबू में
नहीं आता।



काला नेवला शिकांगी नवल का होता है, जिसके
दर्शन भी दुर्लभ होते हैं। यह नेवला वर्षाकरण
शक्ति का स्वामी माना जाता है। यह अपने
आप में बहुत बड़ी जादुई शक्ति है। जंगली लोग
इसकी पूजा करते हैं और जादूगर अपनी
कला के लिये इसकी साधना करते हैं। यह
नेवला गोबरवनाश ने बड़ी साधना से प्राप्त
किया था और अब से शिकांगी उसके पास
था, वह रहस्यमय शक्तियों का स्वामी बन
गया था।



मुझे शिकांगी ने ही इस बात
की सूचना दी थी कि तुम मूर्ति
धुवा कर भाग रहे हो और
किस रास्ते से भाग रहे हो।
जामो, शिकांगी की कृपा से
तुम आजाद हो जाओगे।

मैं आपकी कभी नहीं भूलूँगा। आप सचमुच देवता हैं। न जाने मुझमें कितने अपराध होते और न जाने कब तक मैं नागराज की गुलामी करता रहता।



और जब भी तुम्हें मेरी आवश्यकता पड़े, तुम मुझे याद कर लेना। तुम मुझे अपने मस्तिष्क में बसा पाओगे। जाओ, मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।



नागराज का नया जन्म हो चुका था। उसे बाबा गोबरनाथ का आशीर्वाद प्राप्त था और वह आतंकवादी गिरोहों के विकर उठ खड़ा हुआ था। अब देवता यह है कि उसका निशाना अब पहले की तरह बनता है। उधर गोबरनाथ ने नृसिंह की यथावधान उसी मन्दिर में स्थापित कर दिया। मूर्ति तत्काल लौट आने से सम्प्रदायिक हिंसा रक्त गयी और कबीलों में गोबरनाथ की जयजयकार होने लगी।

नागराज अपने सफर पर निकल पड़ा।



समाप्त